

कहते हैं कौड़ी श्री लक्ष्मीजी को अत्यंत प्रिय है। इसलिए लक्ष्मीजी की पूजन बगैर कौड़ी के अधुरी मानी जाती है। इसलिए पूजन में लक्ष्मीजी को प्रिय कौड़ी का महत्वपूर्ण स्थान है। ऐसा माना भी जाता है कि जिसके यहाँ पूजन में कौड़ी का प्रयोग किया जाता है, वहाँ लक्ष्मीजी अवश्य प्रसन्न होकर अपनी संपूर्ण कृपा बरसाती है।

परंतु ऐसा भी नहीं है कि कौड़ी के रख देने मात्र से ही लक्ष्मीजी की कृपा हो जाती है। अपितु लक्ष्मीजी की संपूर्ण कृपा प्राप्त करने हेतु विशेष प्रकार की पूजन प्रक्रिया के साथ विशिष्ट मंत्र जाप करना आवश्यक होता है। सही विधि द्वारा की जाने वाली पूजन प्रोसेस से लक्ष्मीजी सहज प्रसन्न होकर अपने भक्तों की सारी परेशानी दूर कर घर एवं व्यापार में धन-धान्य की कृपा बरसाने लग जाती है।

अपने सेवक की रुकी हुई या बंद पड़ी बरकत को खोलकर, उसकी उन्नति का रास्ता सुगम, सहज और आसान बना देती है। इसलिए आप भी विधिपूर्वक माँ लक्ष्मी को प्रसन्न करके अपना कल्याण करें।

संकल्प विधि :- किसी भी महालक्ष्मीजी मंदिर या लक्ष्मीनारायण मंदिर अथवा तीन देवी प्रतिमा युक्त मंदिर में श्रीफल के साथ तीन या नौ पीले चावल, सफेद फूल अथवा सफेद वस्त्र (रुमाल, चुनरी इत्यादि) अर्पण करके, किसी भी दिन माताजी को नारायणजी के साथ स्थायी रूप से घर आमंत्रित करना है। सफेद मिठाई भी चढ़ा सकते हैं। प्रसाद कुछ भी नहीं लेना है।

स्थापना :- संकल्प के पश्चात् दूज, अष्टमी, चौदस, अमावस्या या पूनम अथवा बहुत जरूरी होने पर शुक्रवार को अपने पूजा स्थान पर सफेद वस्त्र, चुनरी, या रुमाल बिछाकर लक्ष्मीजी की तस्वीर या श्री नारायण (बालाजी) की तस्वीर के सामने नौ पीले चावल रख दें। फिर उसके ऊपर सिद्ध अथवा अभिमंत्रित कौड़ी स्थापित कर दें। फिर श्रद्धापूर्वक मन ही मन अथवा मंत्र पढ़कर सुगन्धित इत्र, सफेद पुष्प इत्यादि से पूजन (श्रद्धानुसार) करके माताजी को श्रद्धापूर्वक, संपूर्ण भाव से निमंत्रित करके पूजा स्वीकार करने की विनंती करना है।

मंत्र जाप :- श्री सुक्त पाठ या ॐ श्रं श्रिये श्रं नमः।

जाप संख्या :- एक माला पूजन करने के दिन करना जरूरी है। प्रतिदिन कम से कम नौ बार पढ़ने से लाभ जल्दी होगा।

प्रोसेस अवधि एवं प्रक्रिया :- प्रथम बार कौड़ी स्थापना पश्चात् निश्चित तिथि में 15 दिन में एक बार अथवा एक माह में एक बार एक-एक कौड़ी बढ़ाते जाना है। पूजन एवं मंत्र जाप करके स्थापना केवल प्रथम बार ही करना है।

स्पंदन पारमार्थिक एवं सामाजिक उन्नयन समिति (रजि.)

28, विद्या नगर, उज्जैन (मप्र.) फ़ोन : 456010 मो. : +91-94248 70644

Facebook : sanjay-jain guruji, Twitter : sanjay-jain guruji

कुल प्रक्रिया 16 बार करना है याने कि कुल 16 बार कौड़ी बढ़ते क्रम से चढ़ाना है। दिनों की समय सीमा का कोई बंधन नहीं है। गैप की छूट है।

घी का दीपक :- घी यदि गाय का हो तो अति श्रेष्ठ होगा।

भोग :- सफेद मिश्री, सूखा मेवा, मिठाई , खीर , हलवा चढ़ा सकते हैं।

प्रभाव एवं परिणाम :- अत्यंत श्रद्धा एवं विश्वासपूर्वक नियम के साथ करने पर, तीसरी प्रक्रिया के पश्चात् महालक्ष्मीजी का आशीर्वाद धीरे-धीरे प्राप्त होना शुरू अवश्य हो जाता है। हाँ उसके पहले थोड़ा विचलन अवश्य होता है, इसलिए ध्यान रखें, संयम रखकर श्रद्धा एवं संपूर्ण आस्था से नियम करते रहें। आपकी मनोकामना अवश्य पूर्ण होगी।

पूर्णाहुति :- संपूर्ण प्रक्रिया के पश्चात् पूर्णाहुति संपूर्ण लाभ हेतु करना जरूरी है।

इति सिद्धम्

स्पंदन पारमार्थिक एवं सामाजिक उन्नयन समिति (रजि.)

28, विद्या नगर, उज्जैन (मप्र.) फ़ोन : 456010 मो. : +91-94248 70644

Facebook : sanjay-jain guruji, Twitter : sanjay-jain guruji